एम ए एस ओ

समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

प्रथम वर्ष

एम.ए. समाजशास्त्र

जनवरी 2026 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों हेतु

एवं

जुलाई 2026 एवं जनवरी 2027 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों हेतु

एमएसओ 101: समाजशास्त्रीय अवधारणाएँ और सिद्धांत-I

समाजशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

पाठ्यक्रम कोड : एमएएसओ
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओ-101/सत्रीय कार्य/ टीएमए/ 2026-27

प्रिय विद्यार्थी,

समाजशास्त्र में स्नातकात्तर उपाधि कार्यक्रम (एम.ए. समाजशास्त्र) के सदंर्भ में कायर्क्रम दर्शिका मेंहमन बताया है कि समाजशास्त्र के प्रत्येक पाठयक्रम के लिए आपकोएक ***अध्यापक*** जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) पूरा करना होगा।

इन सत्रीय कार्यों में प्रश्न पूछने का अर्थ आपकी योग्यता का पता लगाना है कि आप प्रश्न का वर्णन, विश्लेषण एवं आलोचनात्मक दृष्टि से इसे कैसे स्पष्ट करते हैं और इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि आपको विषयवस्तु की संपूर्ण जानकारी हैं

प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में दें। हमारा परामर्श है कि इन सत्रीय प्रश्नों को अपने सहपाठी तथा अकादमिक परामर्शदाता से चर्चा करके लिखने का पयास करें। जरूरी है कि आप सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें।

सत्रीय कार्य पूरा करके संबद्ध अध्ययन केंद्र के संयोजक को इसे निम्नलिखित समय–सूची के अनुसार भेज दें :

सत्रीय कार्य	**जमा कराने की तारीख**	**किसे भेजें**
जनवरी 2026 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	**30 सितम्बर, 2026**	**संबद्ध अध्ययन केन्द्र का संयोजक**
जुलाई **2026 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी**	**31 मार्च, 2027**	
जनवरी 2027 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	**30 सितम्बर, 2027**	

जमा कराए गए सत्रीय कार्य के लिए अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य लें और इसे अपने पास रखें। यदि संभव हो तो सत्रीय कार्यों की प्रतिलिपि अवश्य रखें। मूल्यांकन के बाद अध्ययन केंद्र द्वारा सत्रीय कार्यों को लौटाना होगा। कृपया इसके लिए आग्रह करें। अध्ययन केंद्र को मूल्यांकन के बाद अंक, विद्यार्थी पंजीकरण एवं मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजना ज़रूरी होता है।

सत्रीय कार्य करते समय कुछ ज़रूरी बातों को ध्यान में रखना

सत्रीय कार्य करते समय निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना उपयोगी होगा :

1 **नियोजन :** सत्रीय, कार्यों को सावधानी से पढ। इनसे जुड़ी इकाइयों का अध्ययन भलीभाँति करें। प्रत्येक प्रश्न से जुड़े उपयोगी बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करें और फ़िर उन्हें तार्किक दृष्टि से क्रमबद्ध करें।

2 **व्यवस्थापन :** पक्का उत्तर लिखने से पहले कच्चा कार्य करें और फिर उत्तर लिखें। प्रारंभिक और अंतिम भाग की ओर पर्याप्त ध्यान दें।

3 **प्रस्तुति :** अपने उत्तर से संतुष्ट हों तो जमा कराने के नज़रिए से पक्का उत्तर लिखें। उत्तर साफ–साफ लिखें और जरूरी बिदुओं को रेखांकित करें। प्रत्येक उत्तर निर्धारित सीमा में होना आवश्यक है।

शुभकामनाओं सहित!

कार्यक्रम संयोजक
एम.ए.समाजशास्त्र
समाजशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इग्नू, मैदान गढी, नई दिल्ली–110068

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
एमएसओ 101: समाजशास्त्रीय अवधारणाएँ और सिद्धांत-I
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कुल अंक : 100 **कार्यक्रम कोड : एमएएसओ**
अधिभारिता : 30% **पाठ्यक्रम कोड : एमएसओ-101**
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओ-101/सत्रीय कार्य/टीएमए/ 2026-27

किन्हीं पाँच प्रश्नों (प्रत्येक) का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

		अंक
1.	सामाजिक संरचना की समझ में लेवी-स्ट्रॉस और एडमंड लीच के योगदान पर चर्चा कीजिए।	20
2.	समाजशास्त्रीय विश्लेषण में अवधारणा और सिद्धांत की भूमिका का वर्णन कीजिए।	20
3.	लैंगिंक स्तरीकरण में जाति के तत्वों की चर्चा कीजिए।	20
4.	रैडक्लिफ-ब्राउन और मालिनोवस्की के प्रकार्यात्मक दृष्टिकोणों की तुलना और अंतर स्पष्ट कीजिए।	20
5.	एक मॉडल के रूप में सामाजिक संरचना की अवधारणा पर चर्चा कीजिए।	20
6.	उद्यमिता क्या है? उद्यमिता पर शुम्पीटर के दृष्टिकोण की स्पष्ट व्याख्या कीजिए।	20
7.	समाज को समझने के लिए फौकॉल्ट के ''ज्ञान के पुरातत्व'' के दृष्टिकोण पर चर्चा कीजिए।	20
8.	अलगाव की अवधारणा की आलोचनात्मक जांच कीजिए।	20